समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 18 August 2026

जल्द होगा संसद भवन परिसर का सुरक्षा उन्नयन, आधुनिक तकनीक से होगी निगरानी

Publisher

Published on 16 Sep 2025

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था का केंद्रबिंदु, **संसद भवन परिसर**, अब जल्द ही और अधिक सुरक्षित और हाई-टेक बनने जा रहा है। सरकार ने संसद भवन की सुरक्षा व्यवस्था को उन्नत करने का निर्णय लिया है। इसमें **आधुनिक तकनीक, स्मार्ट निगरानी प्रणाली और हाई-टेक सुरक्षा उपकरणों** का इस्तेमाल किया जाएगा। यह कदम संसद भवन की सुरक्षा को और भी मज़बूत बनाने और संभावित आतंकी खतरों या सुरक्षा चूक को रोकने के लिए उठाया जा रहा है।

संसद भवन न केवल देश का विधायी केंद्र है, बल्कि यह राष्ट्रीय गौरव और लोकतंत्र का प्रतीक भी है। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा को लेकर कई बार चिंता जताई गई है। संसद हमले (2001) की घटना ने देश को हमेशा के लिए यह सिखाया कि संसद की सुरक्षा किसी भी हालत में कमजोर नहीं पड़नी चाहिए। हाल ही में कुछ सुरक्षा उल्लंघनों और विरोध प्रदर्शनों ने भी सुरक्षा ढाँचे की खामियों को उजागर किया।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए संसद परिसर की सुरक्षा को और मज़बूत करने की योजना बनाई गई है।

संसद भवन की सुरक्षा अपग्रेड योजना के तहत कई आधुनिक तकनीकों और उपकरणों को शामिल किया जाएगा।

1. **स्मार्ट सीसीटीवी नेटवर्क** – पूरे परिसर में हाई-डेफिनिशन नाइट विज़न कैमरे लगाए जाएंगे।
2. **फेशियल रिकग्निशन सिस्टम** – प्रत्येक व्यक्ति की पहचान ऑटोमैटिक तरीके से होगी।
3. **बायोमेट्रिक एक्सेस कंट्रोल** – केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति मिलेगी।
4. **एक्स-रे स्कैनिंग और बम डिटेक्शन डिवाइस** – वाहनों और सामान की जांच के लिए।
5. **ड्रोन डिटेक्शन सिस्टम** – किसी भी अनजान ड्रोन को पहचानने और रोकने की क्षमता।
6. **आर्टिफिशियल इंटेलिजेसं आधारित निगरानी** – संदिग्ध गतिविधियों को पहले ही पहचानने की क्षमता।

वर्तमान में संसद भवन की सुरक्षा में दिल्ली पुलिस, सीआईएसएफ और स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप जैसी एजेंसियाँ शामिल हैं। हर आगंतुक के लिए एंट्री पास की सख्त प्रक्रिया होती है। परिसर में हर जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। लेकिन तकनीक के तेजी से बदलते स्वरूप को देखते हुए अब पहले से कहीं ज्यादा एडवांस सिस्टम की ज़रूरत महसूस की जा रही है।

संसद सदस्यों और सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस पहल का स्वागत किया है। सांसदों का मानना है कि बढ़ते साइबर और फिजिकल खतरों के मद्देनज़र यह ज़रूरी है। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि नई तकनीक से न केवल भौतिक खतरों को बल्कि साइबर अटैक जैसी चुनौतियों को भी बेहतर ढंग से रोका जा सकेगा।

आम जनता के लिए संसद भवन लोकतंत्र का प्रतीक है। जब इसकी सुरक्षा मज़बूत होगी, तो लोग न केवल गर्व महसूस करेंगे बल्कि यह भरोसा भी बढ़ेगा कि देश के जनप्रतिनिधि सुरक्षित माहौल में काम कर रहे हैं।

इस सुरक्षा उन्नयन से कई सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेंगे। **संभावित आतंकी खतरों पर रोक** लगेगी। **अनधिकृत प्रवेश लगभग असंभव** हो जाएगा। **डिजिटल मॉनिटरिंग** से सुरक्षा एजेंसियों का काम आसान होगा। **संसद सदस्यों और स्टाफ की सुरक्षा** सुनिश्चित होगी।

हालांकि इसके साथ कुछ चुनौतियाँ भी होंगी, जैसे पूरे सिस्टम को मैनेज करने के लिए विशेषज्ञ तकनीकी टीम की ज़रूरत। प्रारंभिक लागत और रखरखाव खर्च। आगंतुकों और मीडिया कर्मियों के लिए प्रक्रिया थोड़ी लंबी हो सकती है।

संसद भवन परिसर का सुरक्षा उन्नयन सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के अन्य लोकतांत्रिक देशों के लिए भी एक उदाहरण बनेगा। यह दिखाएगा कि **लोकतंत्र की रक्षा केवल विचारों और कानून से नहीं, बल्कि मजबूत सुरक्षा व्यवस्था से भी होती है।** आने वाले समय में संसद भवन पूरी तरह से स्मार्ट और डिजिटल सुरक्षा नेटवर्क से लैस हो सकता है।

संसद भवन की सुरक्षा केवल एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह **राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतंत्र की गरिमा** से जुड़ा प्रश्न है।

सरकार का यह कदम सही समय पर उठाया गया है और इससे देश की सबसे महत्वपूर्ण संस्था और उसमें कार्य करने वाले जनप्रतिनिधियों को सुरक्षित माहौल मिलेगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.